भारतीय संस्कृति में हर दिन माता-पिता को किया जाता है चरण स्पर्श: वंदना श्री

गुड इवनिंग, इंदौर

प्रत्येक मनुष्य में परमात्मा का वास होता है,भारतीय संस्कृति में प्रत्येक दिन माता पिता को चरण स्पर्श किया जाता है,संस्कृति का पालन जरूर करना चाहिए, प्रत्येक दिन मित्राचार है,हर दिन तुलसी पूजन करना चाहिए, जो जीवन में धर्म संस्कृति से कट जाता है उसका कभी कल्याण नहीं होता है, अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दें,उन्हे संस्कारित करें, सत्संग में अपने बच्चों को जरूर लेकर जाएं, जो अपने कुल,शास्त्रों से दूर हो रहे उन्हे इन सभी की जानकारी होना ही चाहिए।

गणेश गोयल और राज दीक्षित ने बताया कि आनंदम क्लब एंड रिजॉर्ट रसोमा चौराहा पर हो रही भागवत कथा में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन हुआ। प्रभु श्री कृष्ण के जयघोष के साथ हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की, नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की। की गूंज से पूरा परिसर गूंज उठा। माता यशोदा और नंद बाबा के भेष में मंच पर प्रभु बाल गोपाल को देख श्रद्धालु आनंदित हो उठे, सैकड़ों महिलाओं ने भजनों पर नृत्य किया, जन्मोत्सव में पारंपरिक परिधान में भक्त शामिल हुए, सभी भक्तों ने कृष्ण की बाल लीलाओं का आनंद लिया। कथा में सैकड़ों भक्तों का जनसैलाब उमड़ रहा है। प्रभु को तिलक करके माखन मिश्री का भोग लगाया। प्रतिदिन भक्तो को भोजन प्रसादी का वितरण किया जा रहा है इसमें रोज अलग अलग व्यंजन बनाएं जा रहे है। चलित व्यवस्था के तहत सैकड़ों भक्त व्यवस्थित लाइन में लगकर महाप्रसादी ले रहे है। कथा में वंदना श्री जी ने विभिन्न प्रसंगों का वर्णन किया। कथा में भगवान की लीलाओं का कलाकारो ने मनमोहक नाट्य मंचन भी किया। व्यासपीठ का पूजन और आरती विधायक रमेश मेंदोला, आईडीए उपाध्यक्ष गोलू शुक्ला, गणेश गोयल, राज दीक्षित, सरोज चौहान, बालमुकुंद सोनी ने किया।